अंक-योजना

अत्यंत गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा, 2026

विषय---हिंदी (ऐच्छिक)

Series: QR1SP (प्रश्न-पत्र कोड 29/1/3)

<u>सामान्य निर्देश: -</u>

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए 'ऑन स्क्रीन मार्किंग' (OSM) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से **अवश्य** पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन **अवश्य** करें।
3	"मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और बीएनएस के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों और निर्धारित चरणों (Steps) के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं, उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
5	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं। परीक्षार्थी की प्रस्तुति अगर सही है, तो प्रश्न के आधार पर उचित अंक दिए जाएँ।
6	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।
7	मूल्यांकनकर्त्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (**X**) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की

	स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।
8	अगर किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो कृपया OSM पोर्टल में प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों का योग OSM सिस्टम करेगा।
9	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

10	वर्तनी सम्बन्धी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए, तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
14	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
15	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।
16	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
17	यदि परीक्षार्थी ने कोई प्रश्न नहीं किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस प्रश्न-संख्या के सामने अंकतालिका में "NA" (प्रयास नहीं किया गया) अंकित करेगा।

अंक योजना

हिंदी ऐच्छिक (विषय कोड - 002)

प्रश्न-पत्र कोड : 29/1/3 (QR1SP)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

प्र. सं.	अपेक्षित/सांकेतिक उत्तर बिंदु	अंक	Step
	खंड – क **(अपठित बोध)**		
1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :	10	
(i)	(C) शहरी-ग्रामीण क्षेत्र	1	Step 1-1 Mark
(ii)	(B) अत्यधिक सक्रियता	1	Step 1-1 Mark
(iii)	(D) वंशानुगत पृष्ठभूमि	1	Step 1-1 Mark
(iv)	• मोटापा एक स्वास्थ्य समस्या • शरीर में जमा अतिरिक्त वसा/ चर्बी से उत्पन्न • 'बॉडी मास इंडेक्स' द्वारा मापन (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1	Step 1-1 Mark
(v)	• खान-पान की आदतों में बदलाव करके • शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर • सुस्त जीवन-शैली से दूरी बनाकर • डिब्बा बंद या पैकेट बंद खाद्य-पदार्थ से दूरी बनाकर (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2	Step 1-1 Mark Step 2- 1 Mark
(vi)	• **सार्वजनिक स्वास्थ्य**–जनसमुदाय का स्वास्थ्य और उसकी रक्षा • **स्वास्थ्य**–शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना	2	Step 1-1 Mark Step 2- 1 Mark
(vii)	• मोटापा अनेक प्रकार की शारीरिक और मानसिक बीमारियों का कारण जैसे--मधुमेह, हृदय संबंधी रोग, कैंसर, अवसाद, तनाव आदि	2	Step 1-2 Mark
2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :	8	
(i)	(C) संप्रेषण-शक्ति का अभाव होना	1	Step 1-1 Mark
(ii)	(C) ग्रामीण संस्कृति का वर्णन	1	Step 1-1 Mark
(iii)	(B) बाजरे की कलगी से	1	Step 1-1 Mark
(iv)	शब्द जादू हैं--क्या समर्पण (मौन की अभिव्यंजना) कुछ नहीं है?	1	Step 1-1 Mark
(v)	• परंपरागत उपमान कवि के प्रेमभाव को संप्रेषित करने में अक्षम • उनमें नवीनता और आकर्षण का अभाव	2	Step 1-1 Mark Step 2- 1 Mark

(vi)	• शब्दों में आकर्षित करने की शक्ति • किंतु मौन समर्पण मुखर अभिव्यक्ति से अधिक मूल्यवान	2	Step 1-1 Mark Step 2- 1 Mark
	खंड – ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)**		
3.	किसी **एक** विषय पर लगभग **100** शब्दों में रचनात्मक लेखन : • विषयवस्तु : 3 अंक • भाषा : 1 अंक • प्रस्तुति : 1 अंक	5	Step 1-3 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 1 Mark
4	प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :		
(i)	• सूचना, मनोरंजन, ज्ञान, व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक संवादों के आदान- प्रदान के लिए प्रयुक्त जनसंचार का सशक्त माध्यम/ औज़ार	1	Step 1-1 Mark
(ii)	• सूचना देना • जागरूक और शिक्षित करना • एक पहरेदार, शिक्षक की भूमिका निभाना और जनमत निर्माण करना (कोई दो बिंदु स्वीकार्य)	2	Step 1-1 Mark Step 2- 1 Mark
(iii)	• पाठकों, श्रोताओं और दर्शकों की विविधतापूर्ण रुचि और आवश्यकता हेतु • विषयों की विविधता एवं व्यापकता के लिए	2	Step 1-1 Mark Step 2- 1 Mark
5.	**किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में अपेक्षित :	3x2=6	
(i)	• शब्दों के स्थायित्व की सुविधा • खबरों को कभी भी, कहीं भी पढ़ने की सुविधा • सुरक्षित एवं संग्रहण करने की सुविधा • साक्ष्य रूप में प्रयोग संभव (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3	Step 1-1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 1 Mark
(ii)	**विचारपरक लेखन** • अखबारों में संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले संपादकीय, अग्रलेख, लेख, फीचर आदि **महत्त्व** • विचारपरक लेखन से समाचार पत्र-पत्रिकाओं की छवि का निर्माण • अखबार का वैचारिक रुझान पता चलना • अखबार की लोकप्रियता बढ़ना	3	Step 1-1 Mark Step 2- 2 Mark
(iii)	• खेल मनोरंजन का सशक्त माध्यम	3	Step 1-1 Mark

	• करोड़ों दर्शकों और पाठकों को जोड़ने का माध्यम • खेल प्रसारण एवं समाचार से कंपनियों को भारी मात्रा में लाभ • खेलशिक्षा प्रेरणा और सामाजिक जुड़ाव का सशक्त माध्यम (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)		Step 2- 1 Mark Step 3- 1 Mark
6.	**किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में अपेक्षित :	3x2=6	
(i)	**सशक्त नाटक के महत्त्वपूर्ण तत्त्व-** ● शब्द, कथानक, कथोपकथन या संवाद, पात्र एवं चरित्र-चित्रण, द्वंद्व, रंगमंचीयता, ध्वनि एवं प्रकाश, समय का बंधन, उद्देश्य--किसी भी तत्त्व का कमज़ोर होना नाटक को सशक्त बनाने में बाधक ● किसी भी तत्त्व का उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य	3	Step 1-1Mark Step 2- 2 Mark
(ii)	• चित्रों या बिंबों का मन पर अधिक प्रभाव • दृश्य बिंब अधिक बोधगम्य और प्रभावशाली • शब्द-चित्र इन्द्रियों द्वारा ग्राह्य और स्थायी **उदाहरण :** सुमित्रानंदन पंत की कविता 'संध्या के बाद' में **'तट पर बगुलों-सी वृद्धाएँ.....'** पढ़ते ही स्मृति में बगुले का आकार, उसकी सफेदी और वृद्धा विधवाओं के घुटे हुए सिर, सफेद वस्त्रों के कारण एकाकार होना (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	3	Step 1- 2 Mark Step 2- 1 Mark
(iii)	• पात्रों का आत्मकथन • संवाद और अंतर्द्वंद्व • व्यवहार और क्रियाकलाप • घटनाक्रम और दृश्य • अन्य पात्रों के कथन/ संवाद • लेखक का स्वगत कथन (किन्हीं तीन बिन्दुओं का विस्तार स्वीकार्य)	3	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 1 Mark
	खंड – ग **(पाठ्यपुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)**		
7.	**किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए :	2x2=4	
(i)	• देवसेना की निराश एवं हताश मन:स्थिति का परिचय • देवसेना के हृदय में स्कंदगुप्त के प्रति प्रेम से उत्पन्न पीड़ा से मुक्ति की चाह	2	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark
(ii)	• व्यक्ति और समाज अन्योन्याश्रित, समाज के बिना व्यक्ति की ऊर्जा शक्ति निरर्थक	2	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark

	• व्यक्ति के समाज में विलय से ही समाज व राष्ट्र मजबूत		
(iii)	• आधुनिक व्यस्त जीवन-शैली • बढ़ता शहरीकरण, प्रकृति के प्रति उदासीनता (अन्य उचित बिंदु भी स्वीकार्य)	2	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark
8.	पठित काव्यांश पर आधारित **बहुविकल्पीय** प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर:	1x5=5	
(i)	(B) पौष मास में राजा रत्नसेन की अनुपस्थिति के कारण	1	Step 1- 1 Mark
(ii)	(B) नागमती के लिए	1	Step 1- 1 Mark
(iii)	(D) नागमती की स्थिति को चकवी से हीन बताने हेतु	1	Step 1- 1 Mark
(iv)	(A) श्रृंगार रस	1	Step 1- 1 Mark
(v)	(C) कथन सही है, लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या करता है।	1	Step 1- 1 Mark
9.	किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग **100** शब्दों में अपेक्षित : • संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या : 3 अंक i) सामान्य अर्थ लिखने पर 1 से 2 अंक दिए जाएँ ii) सामान्य अर्थ के साथ भावार्थ स्पष्ट करने पर पूरे 3 अंक दिए जाएँ • विशेष : 1 अंक (i) कवि- रघुवीर सहाय कविता- तोड़ो (ii) कवि- तुलसीदास कविता- पद	6	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 3 Mark Step 4- 1 Mark
10.	**किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में अपेक्षित :	2x2=4	
(i)	• छात्रों की निजी रुचि पर आधारित स्वतंत्र अभिव्यक्ति स्वीकार्य • किसी भी साहित्यकार के नाम के साथ उसकी किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख अपेक्षित	2	Step 1- 1 Mark Step 2- i) 0.5 Mark ii) 0.5 Mark
(ii)	• शिक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर करना, रटंत शिक्षा प्रणाली पर व्यंग्य • विद्यार्थियों को कृत्रिम बनाने की प्रवृत्ति का विरोध	2	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark
(iii)	• खेतों में हँसती-मुसकराती औरतों का भविष्य में सड़कों पर विस्थापितों का जीवन बिताने को मजबूर होना	2	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark

	• आनेवाले कुछ वर्षों में समूचे दृश्य का आधुनिक औद्योगिक विकास की भेंट चढ़ जाना		
11.	पठित गद्यांश पर आधारित **बहुविकल्पीय** प्रश्नों के उत्तर :	1x5=5	
(i)	(A) i और ii दोनों	1	Step 1- 1 Mark
(ii)	(A) लोग आत्म-कल्याण की भावना से स्नान कर रहे थे, मनोरंजन के लिए नहीं।	1	Step 1- 1 Mark
(iii)	(B) भक्ति भाव से	1	Step 1- 1 Mark
(iv)	(C) आत्म कल्याण हेतु	1	Step 1- 1 Mark
(v)	(D) कुंठा का	1	Step 1- 1 Mark
12.	किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग **100** शब्दों में अपेक्षित : • संदर्भ : 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या : 3 अंक i) सामान्य अर्थ लिखने पर 1 से 2 अंक दिए जाएँ ii) सामान्य अर्थ के साथ भावार्थ स्पष्ट करने पर पूरे 3 अंक दिए जाएँ • विशेष : 1 अंक (i) पाठ - संवदिया लेखक -फणीश्वरनाथ 'रेणु' (ii) पाठ- कुटज लेखक - हजारी प्रसाद द्विवेदी	6	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 3 Mark Step 4- 1 Mark
13.	**किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में अपेक्षित :	5x2=10	
(i)	**समीक्षा-** • भैरों का कृत्य निंदनीय, संवेदनहीन, क्रूर और ईर्ष्यापूर्ण • शक और प्रतिशोध की भावना से ग्रस्त प्रश्न के दूसरे भाग के लिए विद्यार्थियों की उपयुक्त तर्कपूर्ण अभिव्यक्ति पर यथोचित अंक दिए जाएँ	5	Step 1- 2 Mark Step 2- 3 Mark
(ii)	• लेखक का अपना गाँव और बचपन की स्मृतियाँ • प्रकृति- फूल, पत्ते, गंध, चाँदनी आदि का वर्णन • वर्षा ऋतु, वर्षा से गाँव भर में होने वाली कठिनाइयाँ, साँप-बिच्छू आदि का वर्णन • माँ की ममता और नारी की सजीवता का वर्णन • प्राकृतिक औषधियों से किए जाने वाले इलाज का वर्णन	5	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 1Mark Step 4- 1 Mark Step 5- 1 Mark

	• गाँव में देखे-भोगे यथार्थ की प्राकृतिक सौंदर्य के साथ प्रस्तुति (पाठ पर आधारित अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)		
(iii)	• जल जीवन का आधार, इसके बिना जीवन की कल्पना व्यर्थ • नदियाँ जल-प्राप्ति का प्राकृतिक स्रोत • नदियाँ सभ्यता और संस्कृति की जन्मदात्री • नदियों को प्रदूषित होने से बचाना • जल-संग्रहण और संरक्षण के प्रति जागरूकता	5	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 1Mark Step 4- 1 Mark Step 5- 1 Mark